बस यूं ही...

शांता पारेख, इन्दौर
9425311944

दोबारा नहीं मिलेगी ज़िन्दगी

जब बहुत दूर हो जायेंगे बच्चे, बहुत याद जब आएगी तो क्या करोगे, बहुत प्यारी पर कठिन है छोटे बच्चों को पालना . सब् रद्दी मे मत बेंच देना उनकी ड्राइंग की कॉपी स्कूल वाला चौक का टुकड़ा, उधड़ी जेब वाली यूनिफार्म. माना आजकल ऑफर के कारण बहुत खरीद लेते हम, कहा रखे की चीख पुकार के बीच, बच्चों की कुछ यादो को मत दे देना किसी को, उनकी कोइ नोटबुक जिसमे गुड मिला हो चाहे लाल निशान, निशान से भरी कुछ चीजें कोइ प्रमाणपत्र, अभिनंदन भीड़ लगती होगी, पर जब वे परदेस चले जायेंगे

अपने रीज्यूमे के साथ,बार बार आश्वासन देके भी नहीं आएंगे, उनकी विडिओ कॉल आएंगे, लव यू दादी बोले, मुझे लेट हो रहा, कर बंद कर दे लैपटॉप, तब इनको छूना सहलाना, थोड़ी देर सीने से लगा के फिर ताज़गी महसूस करना, शुज पहन के कॉलोनी के गार्डन चले जाना, वहां तूम जैसे कई मिल. जायेंगे, उनके साथ गाना, नाचना या हल्की फुलकी एक्सरसाइज़ कर लेना. बिसूरना एकदम गलत है. स्वीकारना ही सही है. कठिन तो है पर जीवन को भरपूर जियेंगे ही, क्यूँ कि जिंदगी न मिलेगी दोबारा.

निष्पक्ष

शुभम दुबे
स्तंभकार और राजनीतिक विश्लेषक

मुफ्त उपहारों की जंग!

उत्तर प्रदेश के चुनावी मैदान में समाजवादी पार्टी (INDIA ब्लॉक) और भारतीय जनता पार्टी (NDA) के बीच की जंग अब पूरी तरह से कल्याणकारी वादों और मुफ्त की सौगातों के इर्द-गिर्द केंद्रित हो चुकी है। एक तरफ जहाँ सपा महिलाओं को लुभाने के लिए स्त्री सम्मान समृद्धि योजना के तहत सालाना 40,000 के सीधे नकद हस्तांतरण (Direct Cash Transfer), घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 300 यूनिट मुफ्त बिजली, 12वीं पास छात्राओं को मुफ्त लैपटॉप और साइकिल तथा पुलिस में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण जैसे बड़े दांव चल रही है।

वहीं दूसरी तरफ योगी सरकार स्मार्ट मीटर व्यवस्था, कृषि क्षेत्र के लिए रियायती बिजली, मेधावी छात्रों को मुफ्त स्कूटी और बुजुर्ग महिलाओं के लिए मुफ्त रोडवेज बस यात्रा जैसी योजनाओं के जरिए मजबूत प्रशासनिक और वित्तीय पकड़ बनाए रखने की कोशिश में है। यह मुकाबला केवल राजनीतिक दलों की वैचारिक लड़ाई नहीं, बल्कि राज्य के सीमित संसाधनों पर आधारित लोकलुभावन घोषणाओं की एक अंतहीन प्रतिस्पर्धा बन गया है, जहाँ दोनों ही दल उत्तर प्रदेश के मतदाताओं को अपने पाले में करने के लिए हरसंभव लोक-लुभावन प्रपंच रच रहे हैं।

यह प्रवृत्ति केवल एक चुनाव जीतने की रणनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र और राज्य की वित्तीय सेहत के लिए एक गंभीर और विचारणीय संकट का रूप ले चुकी है। चुनाव के ठीक पहले किए जाने वाले इन भारी-भरकम नकद हस्तांतरण और मुफ्त की रेवड़ियों के वादों से भले ही कुछ समय के लिए राजनीतिक रोटियां सेक ली जाती हैं और सत्ता हासिल कर ली जाती है, लेकिन इसके परिणाम दूरगामी और अत्यंत घातक होते हैं, जो अंततः राज्य को विकास के मार्ग से भटकाकर कर्ज के दलदल में धकेल देते हैं। जब सरकारी खजाने का अधिकांश हिस्सा बिना किसी उत्पादक पूंजीगत निवेश के केवल चुनावी प्रलोभनों और खैरात बांटने में खर्च होने लगता है, तब बुनियादी बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य और औद्योगिक विकास जैसे असल मुद्दे हाशिए पर चले जाते हैं।

यह अप्रत्यक्ष रूप से एक प्रकार की संस्थागत वित्तीय अनियमितता है, जो जनता को स्वावलंबी बनाने के बजाय उसे राजनीतिक दलों की दया पर निर्भर कर देती है। इसलिए, यह समय की सबसे बड़ी मांग है कि चुनाव आयोग अपनी संवैधानिक शक्तियों का पूरी ईमानदारी और दृढ़ता के साथ प्रयोग करे, इस अनियंत्रित प्रलोभन की राजनीति पर कड़ा अंकुश लगाए और देश के लोकतंत्र को इस दीर्घकालिक आर्थिक बर्बादी से सुरक्षित बचाने के लिए ठोस और निर्णायक कदम उठाए।

अंतिम पत्र

इसे ही कहते हैं जलती आग
में शकर और तेल डालना ।
समाचार।
देश में दिनों-दिन शकर और तेल
के भाव तथा कालाबाजारी रुकने
का नाम नहीं ले रही है।
टिप्पणी।
पहले कांग्रेस के खिलाफ जो नारा
विरोधी लगाते थे, वही खा गए शकर
पी गए तेल कांग्रेस लगा रही है।

बी एल शर्मा अकिंचन
तराना-उज्जैन

खार-मंजन की पोर्टेबल दुकान खुली

प्रशासन ने शहर की अस्मिता को रख दिया शराब के ठेकेदार के यहाँ पर गिरवी!

इंदौर। (विशेष प्रतिनिधि) देश के सबसे स्वच्छ और सभ्य कहे जाने वाले शहर इंदौर में रसूखदार शराब ठेकेदारों के आगे तंत्र किस कदर नतमस्तक है, इसका एक जीता-जागता और शर्मनाक उदाहरण मालवा मिल से न्यू देवास मार्ग पर 17, संजय गांधी मार्ग, न्यू देवास रोड पर स्थित है। मालवा मिल चौराहा पर शराब का ठेका था और व्यवस्थित जगह था वह लड़ाई होने की वजह से मन पहुंचा दिया पहुंचा दिया गया है पर वहां से ज्यादा यहां पर उनकी दादागिरी दबंग ता जारी है आगे देखने को मिल रहा है। यहां वर्षों पुराने एक सार्वजनिक मैदान को आबकारी विभाग और नगर निगम की नाक के नीचे उजाड़कर रख दिया गया है। शराब के ठेकेदार ने नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए मैदान के पिछले हिस्से में अवैध रूप से %खार-मंजन% (चखना) की दुकान खुलवा दी है। इस खुली गुंडागर्दी और प्रशासनिक अनदेखी को देखकर स्थानीय नागरिकों का गुस्सा सातवें आसमान पर है। लोगों का दोटूक कहना है कि चंद रुपयों की खातिर स्थानीय प्रशासन ने अपना जमीर शराब के ठेकेदार के यहां गिरवी रख दिया है।

जिस मैदान में गूंजती थी बच्चों की किलकारियां और उठती थीं गरीबों की डोली, डबल-इंजन सरकार का कैसा चाल-चरित्र? पार्षद, विधायक और मुख्यमंत्री सब भाजपा के, फिर भी शराब ठेकेदार का राज!

छीना बच्चों का बचपन, गरीबों के अरमानों पर फिरा पानी

स्थानीय बुजुर्गों और रहवासियों ने नम आंखों से बताया कि यह मैदान कभी इस इलाके की जान हुआ करता था। यहां सुबह-शाम क्षेत्र के गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चे खेला करते थे। इतना ही नहीं, जिन गरीब परिवारों के पास महंगे मैरिज गार्डन बुक करने के पैसे नहीं होते थे, वे इसी मैदान में टेंट लगाकर अपने बच्चों की शादियां और मांगलिक कार्यक्रम शान से निपटाते थे। लेकिन आज इस पवित्र सामाजिक स्थल को शराबियों का अड्डा बना दिया गया है। बच्चों के खेलने की जगह पर अब कांच की बोतलें, डिस्पोजल और गंदगी का अंबार लगा हुआ है।

धूल-कचरे के बीच सरेआम परोसी जा रही शराब, सुरक्षा भगवान भरोसे

सामने आई तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि किस तरह कचरे, ईंट-पत्थरों और मलबे के ढेर के बीच लोग झुंड बनाकर बैठे हैं। बिना किसी खौफ के यहां खार-मंजन की दुकानें चल रही हैं और खुलेआम शराबखोरी को बढ़ावा दिया जा रहा है। शाम ढलते ही यह पूरा इलाका असामाजिक तत्वों के कब्जे में आ जाता है। शिरोमणि गेट जैसे व्यस्त मार्ग से गुजरने वाली महिलाओं, बच्चियों और राहगीरों का यहां से निकलना दूभर हो गया है। सरेआम फब्तियां कसी जाती हैं, लेकिन पुलिस पेट्रोलिंग गाड़ियां यहां से आंखें मूंदकर निकल जाती हैंदसवाल यह उठता है कि इंदौर नगर निगम जो आम रेहड़ी-पटरी वालों पर पीली जीप चलाकर चालान काट देता है, उसे शराब ठेकेदार की यह महा-गंदगी क्यों नहीं दिखती? आबकारी विभाग जिसके कड़े नियमों के मुताबिक बिना वैध अहाता अनुमति के शराब दुकान के बाहर चखना दुकान खोलना संगीन अपराध है, वह गहरी नींद में क्यों सोया है? जनता अब आर-पार की लड़ाई के मूड में है। क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि इंदौर कलेक्टर और नगर निगम कमिश्नर ने तुरंत इस अवैध मयखाने को जमींदोज नहीं किया और ठेकेदार का लाइसेंस निरस्त नहीं किया, तो वे सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करें

डबल-इंजन सरकार का कैसा चाल-चरित्र? पार्षद, विधायक और मुख्यमंत्री सब भाजपा के, फिर भी ठेकेदार का राज!

मालवा मिल क्षेत्र की जनता इस बात को लेकर सबसे ज्यादा आक्रोशित है कि मध्य प्रदेश में सत्ता के शीर्ष से लेकर नगर निगम के वार्ड तक सिर्फ एक ही पार्टी का परचम है। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री भाजपा के हैं, इंदौर में विधायक भाजपा के हैं और स्थानीय वार्ड में पार्षद भी भाजपा के ही हैं। इसके बावजूद एक शराब ठेकेदार के रसूख के आगे पूरी डबल-इंजन सरकार का सिस्टम बेबस नजर आ रहा है।स्थानीय रहवासियों का कहना है, चुनाव के समय यही नेता बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन आज जब हमारे बच्चों का खेल का मैदान और गरीबों की शादियों का एकमात्र सहारा छीना जा रहा है, तो सबने आंखों पर पट्टी बांध ली है।

जनता अब पूछ रही है कि क्या इन जनप्रतिनिधियों की चुप्पी के पीछे कोई बड़ी साठगांठ है, या वाकई सरकार ने रसूखदारों के आगे पूरी तरह घुटने टेक दिए हैं?

शराब मित्र गलियारा बना न्यू देवास मार्ग, हर 500 मीटर पर खुल रहा एक नया ठेका!

स्थानीय रहवासियों का दर्द यहीं खत्म नहीं होता। मालवा मिल से न्यू देवास मार्ग की ओर बढ़ने पर ऐसा महसूस होता है मानो यह कोई रिहायशी इलाका या व्यस्त मार्ग न होकर कोई शराब मित्र गलियारा (लीकर कॉरिडोर) बन चुका है। क्षेत्र की जनता का आरोप है कि नियमों और जनभावनाओं को ताक पर रखकर हर 500 मीटर के दायरे में शराब की दुकानें और अहाते खोल दिए गए हैं।एक तरफ जहां सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय लगातार इस बात पर चिंता जता रहे हैं कि राष्ट्रीय/राज्य राजमार्गों और मुख्य शहरी सड़कों पर शराब की सरेआम बिक्री से दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं, वहीं इंदौर का आबकारी अमला ठेकेदारों को उपकृत करने के लिए नियमों की नई परिभाषाएं गढ़ रहा है। स्थिति यह है कि राहगीरों, विशेषकर महिलाओं और कोचिंग जाने वाले छात्र-छात्राओं के लिए इस मार्ग से सुरक्षित निकलना भी अब एक बड़ी चुनौती बन गया है।जनता सीधे तौर पर सरकार के उस चाल-चरित्र पर सवाल उठा रही है, जो एक तरफ तो प्रदेश में नशामुक्ति और आदर्श आचार-व्यवहार के बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन धरातल पर महज 500 मीटर की दूरी पर शराब के नए ठिकाने खोलकर अपनी ही नीतियों का मखौल उड़ा रही है।

आईपीएस एकेडमी में हुआ ग्रेजुएशन डे समारोह

इंदौर। आईपीएस एकेडमी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड साइंस, इंदौर, एक यूजीसी स्वायत्त संस्थान, में 23 अगस्त 2026 को ग्रेजुएशन डे समारोह गरिमापूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह में कुल 980 स्नातकों को उत्तीर्णता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इनमें 14 इंजीनियरिंग विषयों के 954 बी.टेक. स्नातक तथा 8 विशेषज्ञताओं के 26 एम.टेक. स्नातक शामिल रहे।

सीएसआईटी शाखा की छात्रा जान्हवी अंबाड ने 9.84 सीजीपीए प्राप्त कर ओवरऑल ब्रांच टॉपर का स्थान हासिल किया।

डॉ. ए.एन. पटेल गोल्ड मेडल सीएसई-एआईएमएल के छात्र प्रणय जायसवाल को प्रथम सेमेस्टर से आठवें सेमेस्टर तक सीजीपीए में सर्वाधिक सुधार के लिए प्रदान किया गया। वहीं, इंडियन जियोटेक्निकल सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा प्रायोजित स्वर्ण पदक जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले सिविल इंजीनियरिंग शाखा के छात्र राजेश किराड़े को प्रदान किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. ए.एन. पटेल, पूर्व निदेशक, एसजीएसआईटीएस, इंदौर, ने स्नातक विद्यार्थियों को जीवन में निरंतर सीखते रहने तथा अपने ज्ञान और कौशल को समय के साथ लगातार अद्यतन करते रहने की सलाह दी।

विशिष्ट मुख्य अतिथि सी.एल. सुबेदार, तकनीकी सलाहकार, आरएसपीएल, इंदौर, ने कहा कि सफलता के लिए केवल ज्ञान पर्याप्त नहीं है। परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालने की क्षमता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

विशिष्ट अतिथि एवं आईपीएस एकेडमी, इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड साइंस की गवर्निंग बॉडी के माननीय अध्यक्ष आर्किटेक्ट अचल के. चौधरी ने विद्यार्थियों को डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के विचारों का अनुसरण करने की सलाह दी। इस अवसर पर योगेंद्र जैन, उपाध्यक्ष, आईपीएस एकेडमी, इंदौर भी उपस्थित रहे।

संस्थान की प्राचार्य डॉ. अर्चना कीर्ति चौधरी ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए संस्थान की शैक्षणिक उपलब्धियों, विद्यार्थियों की सफलता और विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी।

सूरज कुमार जायसवाल सम्मानित

इंदौर। लायन इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233-त1 के द्वारा भव्य अवॉर्ड फंक्शन में इंजीनियर सूरज कुमार जायसवाल को सर्वश्रेष्ठ झोन चेयरपर्सन आफ डिस्ट्रिक्ट एवं आउटस्टैंडिंग झोन चेयरमैन ऑफ़ मल्टीपल के अवार्ड से डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन अनिल खंडेलवाल व पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन परविंदर भाटिया द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

लायंस इंटरनेशनल इमेज बिल्डिंग चेयरपर्सन लायन दिनेश रणधर जी ने बताया कि लायन सूरज जायसवाल पूर्व में भी लायंस क्लब की सेवा गतिविधियों में श्रेष्ठ सेवाएं प्रदान करने के लिए सम्मानित किया जा चुके हैं।

कार्टून कोना

कोचिंग डिपो इंदौर एवं महूमें रेक मेंटेनेंस के दौरान कड़ी निगरानी

इंदौर । पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल द्वारा यात्री सुविधा, स्वच्छता एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ट्रेनों के रेक मेंटेनेंस की प्रक्रिया की लगातार निगरानी की जा रही है। कोचिंग डिपो इंदौर एवं डॉ. अम्बेडकर नगर में रेक के प्राइमरी एवं सेकंडरी मेंटेनेंस के दौरान स्वच्छता के साथ-साथ पेस्ट कंट्रोल एवं रोडेंट कंट्रोल पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कोचिंग डिपो इंदौर एवं डॉ अम्बेडकर नगर में रेक के प्राइमरी मेंटेनेंस के दौरान कोचों की समुचित सफाई के साथ पेस्ट एवं रोडेंट कंट्रोल की प्रक्रिया निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार किया जा रहा है। पेस्ट कंट्रोल प्रत्येक 15 दिन में तथा रोडेंट कंट्रोल प्रत्येक ट्रेन के प्रत्येक ट्रिप से पूर्व किया जाता है। हाल ही में ट्रेन में चूहे द्वारा यात्री को काटने की घटना के बाद रतलाम मंडल द्वारा इस संबंध में और अधिक सतर्कता बरती जा रही है। इस मामले में पेस्ट एवं रोडेंट कंट्रोल के लिए जिम्मेदार वरिष्ठ अनुभाग अभियंता के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई की गई तथा संबंधित ठेकेदार फर्म पर 10,000 की पेनाल्टी लगाई गई। इस कार्रवाई के माध्यम से रेक मेंटेनेंस से जुड़े कर्मचारियों एवं संबंधित एजेंसियों को अपने दायित्वों के प्रति और अधिक सजग रहने के निर्देश दिए गए हैं। रेक के प्राइमरी मेंटेनेंस के दौरान पेस्ट कंट्रोल एवं रोडेंट कंट्रोल की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी किए जाने के भी निर्देश दिए गए हैं, ताकि किए गए कार्य का उचित रिकॉर्ड एवं साक्ष्य उपलब्ध रहे तथा कार्य की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जा सके। कोचिंग डिपो इंदौर एवं डॉ. अम्बेडकर नगर में प्रतिदिन निर्धारित संख्या में रेक का प्राइमरी एवं सेकंडरी मेंटेनेंस किया जाता है। मेंटेनेंस कार्य से जुड़े कर्मचारियों एवं संबंधित ठेकेदारों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। स्वच्छ बेडरोल उपलब्ध कराने की भी लगातार मॉनिटरिंग ट्रेनों में यात्रियों को स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण बेडरोल उपलब्ध कराने के लिए भी रतलाम मंडल द्वारा निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है। संबंधित विभाग द्वारा दो स्तरों पर निगरानी की जा रही है तथा रेलवे की लॉन्ड्री एवं संबंधित ठेकेदार से प्राप्त साफ बेडरोल की गुणवत्ता एवं उपलब्धता की भी नियमित रूप से जांच की जा रही है। ट्रेनों की बढ़ती संख्या एवं यात्रियों को स्वच्छ बेडरोल उपलब्ध कराने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए डॉ. अम्बेडकर नगर में बूट आधार पर मेकेनाइज्ड लॉन्ड्री के निर्माण का कार्य भी प्रगति पर है। इसके पूर्ण होने के बाद बेडरोल की धुलाई एवं आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाने में मदद मिलेगी। यात्री शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश मंडल रेल प्रबंधक रतलाम द्वारा ट्रेन परिचालन के दौरान यात्री सुविधा एवं चिकित्सा से संबंधित शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उनका शीघ्र निराकरण एवं समयबद्ध रिल्राई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

पश्चिम रेलवे – रतलाम मंडल

वाणिज्य शाखा – ई-नीलामी सूचना

ई-नीलामी का उद्देश्य: वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, रतलाम मंडल, पश्चिम रेलवे द्वारा मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर केटरिंग यूनिटों के आवंटन हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की गई है।केटलींग: • **कैटलींग** IREPS वेबसाइट के **ई-ऑक्शन** मॉड्यूल पर प्रकाशित किया गया है। • **कैटलींग संख्या:** C45-CTG-RTM-26 • **अनुबंध का प्रकार:** केटरिंग यूनिटलॉट संख्या: **1)** Catg-RTM-THDR-GMU-9-23-1 **2)** Catg-RTM-PPD-GMU-12-23-1 **3)** Catg-RTM-RAU-GMU-8-23-1 **4)** Catg-RTM-BMI-GMU-250-25-1 **5)** Catg-RTM-RJQ-GMU-7-23-1 **6)** Catg-RTM-FTD-GMU-25-23-1 **7)** Catg-RTM-MGN-SMU-246-25-1 **8)** Catg-RTM-THDR-SMU-253-26-1 **9)** Catg-RTM-RTM-SMU-248-25-1 • **अनुबंध की अवधि:** 5 वर्ष • **ई-नीलामी की तिथि एवं समय:** सभी लॉट के लिए ई-नीलामी 10/09/2026 को प्रातः 11:30 बजे प्रारंभ होगी। • **प्रारंभिक कूलिंग-ऑफ अवधि:** 30 मिनट। • **अनुक्रमिक लॉट के समापन का अंतराल:** 10 मिनट। • **लॉट साइज समापन समय: IREPS** के ई-ऑक्शन मॉड्यूल पर देखा जा सकता है। CRY/229A

Like us on: facebook.com/WesternRly

महाराष्ट्र महसूल न्यायाधिकरण, मुंबई
कार्यालय:-जुने सचिवालय, २ रा मजला, फोर्ट, मुंबई ३२
दूरध्वनि क्रमांक ०२२-२२८४६६४४
Email: registrarmrt@yahoo.in
क्र. अध्यक्ष टेनन्सी/आरईकी/ठाणे/एल-४१५/२५
दिनांक :- १०/०८/२०२६

प्रति,
४. नथमल रेखाचंद संचेती,
रा. मेहरबान रोड, भसाळी क्वॉर्टर, मु.पो. खेतीया, ता. पानशेमल,
जि. बडवाणी, मध्यप्रदेश

विषय :- सुनावणी नोटीसबाबत

वरील नांव धारण करणारा, अर्जदार यांनी उपविभागीय अधिकारी भिवंडी, जि. ठाणे यांचेकडील क्र. टेननसी अपिल क्र. १५४/२०१७ दि. १५/०१/२०२० च्या आदेशाविरुध्द दाखल केलेल्या रिव्हीजन अर्जाची सुनावणी दिनांक ०१/१०/२०२६ रोजी सकाळी ११.०० वाजता न्यायाधिकरणापुढे खालील पत्त्यावर करण्याचे निश्चित केले आहे याची समज घ्यावी. पुढील सुनावणी तारखेस तुम्ही जातीने किंवा प्राधिकृत प्रतिनिधी किंवा वकिला मार्फत न्यायाधिकरणापुढे हजर झाला नाहीत, तर न्यायाधिकरण सदरहू अर्जाची एकतर्फी सुनावणी करील व त्या संबंधात योग्य तो आदेश दर्शल.

सही/-
प्रबंधक
शिक्का
महाराष्ट्र महसूल न्यायधिकरण मुंबई करिता

सुनावणीचे ठिकाण
महाराष्ट्र महसूल न्यायधिकरण, मुंबई यांचे कार्यालय, जुने सचिवालय, विस्तार इमारत, २ रा मजला, फोर्ट, मुंबई-३२